अंक - 02

अगस्त 2012

प्रेरणा

मासिक समाचार पत्र

श्री शक्ति डिग्री कॉलेज

आरोह तमसो ज्योतिः

Prerna

MONTHLY NEWS LETTER

SHRI SHAKTI DEGREE COLLEGE

इस अंक में.......

- 360° फीडबैक सिस्टम से बेहतर होगा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम
- महाविद्यालय को मिली एन.सी.सी. संचालन की अनुमति
- कॉलेज के इग्नू स्टडी सेन्टर में शुरू हुआ सर्टिफिकेट इन गाइडेन्स कोर्स
- अच्छा शिक्षक बनने के लिए जरूरी है एक अच्छा कम्युनिकेटर होना
- विज्ञान शिक्षण को थ्योरी के स्थान पर प्रैक्टिकल करके सरलता से सीखें
- महाविद्यालय में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन
- धूमधाम से मनाया गया महाविद्यालय का स्थापना दिवस
- मॉरिया मान्टेसरी के जीवन से अच्छा शिक्षक बनने की बी.एड. विद्यार्थियों ने ली प्रेरणा
- क्रान्ति और शान्ति के पुजारियों का स्मरण कर मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह
- संगठित मानव श्रृंखला द्वारा बेटी बचाओ अभियान में महाविद्यालय की सहभागिता
- बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है वृक्षारोपण
- आर्ट एण्ड क्राफ्ट विभाग द्वारा कार्यानुभव/प्रशिक्षण

360° फीडबैक सिस्टम से बेहतर होगा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

महाविद्यालय में आई0क्यू0ए0सी0 की बैठक के प्रस्ताव के अनुरूप 360° फीड बैक प्रणाली द्वारा शिक्षक अपने शिक्षण को और भी अधिक बेहतर कर सकेंगे। महाविद्यालय में आगामी आई0क्यू0ए0सी0 की बैठक में इस बात का प्रस्ताव रखा जायेगा कि महाविद्यालय द्वारा आयोजित द्विदिवसीय (25-26 फरवरी 2012) सेमिनार 'अध्यापकीय शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन' (एसेसमेन्ट एण्ड इवेल्यूशन सिस्टम इन टीचर एजूकेशन) द्वारा प्राप्त मुख्य निष्कर्ष कि शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए 360° फीड बैक सिस्टम को लागू किया जाये। इस 360° फीड बैक के अर्न्तगत शिक्षक अपने विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ शिक्षक/शिक्षिकाओं एवं सहयोगी शिक्षकों को शिक्षण के दौरान आमंत्रित कर उनसे अपना फीडबैक लेकर प्रशिक्षणार्थियों से भी फीडबैक लेंगे। उपरोक्त के अलावा कक्षा शिक्षण के दौरान वीडियोग्राफी का भी प्रबन्ध होगा ताकि शिक्षक अपनी शिक्षण-विधि का स्वयं मूल्यांकन कर शिक्षण-प्रशिक्षण के दौरान होने वाली कमियों/समस्याओं का समाधान कर सकें।

महाविद्यालय को मिली एन.सी.सी. संचालन की अनुमति

(शुभारम्भ अवसर पर छात्र/छात्राओं को पात्रता शर्तों की जानकारी देते प्रशिक्षक महोदय)

दिनांक 07.08.2012 को श्री शक्ति डिग्री कॉलेज साँखाहरी घाटमपुर, कानपुर नगर में 59 यू0पी0 बी0एन0 एन0सी0सी0 की यूनिट से आए प्रशिक्षक श्री उदयवीर ओझा एवं श्री तेजवीर सिंह जी ने एन0सी0सी0 प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया। उपरोक्त अवसर पर प्रशिक्षक द्वय ने एन0सी0सी0 प्रशिक्षण हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों (45) में से (30) प्रशिक्षणार्थियों का चयन उनकी शारीरिक एवं अन्य मानक क्षमताओं में योग्य पाये जाने के आधार पर किया।

चयनित छात्र/छात्राओं को एन.सी.सी. का उद्देश्य समझाते प्रशिक्षक महोदय

शुभारम्भ अवसर पर श्री ओझा जी एवं श्री तेजवीर सिंह जी ने प्रशिक्षणार्थियों के सम्मुख एन0सी0सी0 के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि – एन0सी0सी0 जिसे हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के नाम से भी जानते हैं, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में दिया जाने वाला वह प्रशिक्षण है जिसके माध्यम से राष्ट्रहित के लिए समर्पित, प्रतिभावान, दक्ष एवं अनुशासित व्यक्तियों का विकास किया जाता है। उन्होनें आगे बताया कि एन0सी0सी0 का पूर्णकालिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् छात्र/छात्राओं को उच्च शिक्षण संस्थानों एवं विभिन्न सरकारी उपक्रमों में रिक्त पदों की भर्ती में अतिरिक्त/वेटेज अंक प्रदान किए जाते हैं। एन.सी.सी. यूनिट के ए.एन.ओ./सी.टी.ओ. श्री विवेक त्रिवेदी ने बताया कि एन. सी.सी. प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र/छात्राएँ विभिन्न कम्पनियों की सुरक्षा सेवा में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं तथा उनके लिए आर्मी, एयरफोर्स, नौसेना की सुरक्षा सेवा के अलावा देश की उच्च प्रतिष्ठित एन.डी.ए. एवं सी.डी.एस. सम्बन्धी सुरक्षा सेवाओ में देश के प्रति अपना जज्बा दिखाने का अवसर प्राप्त होता है। सुरक्षा क्षेत्र की नौकरियों/सेवाओं में एन0सी0सी0 का अपना एक विशिष्ट स्थान है। एन0सी0सी0 के इस शुभारम्भ अवसर पर महाविद्यालय प्रबन्धक, प्राचार्य, वरिष्ठ शिक्षक/शिक्षिकाएँ एवं छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहे।

कॉलेज के इग्नू स्टडी सेन्टर में शुरू हुआ सर्टिफिकेट इन गाइडेन्स कोर्स

श्री शक्ति डिग्री कॉलेज में संचालित 'इग्नू' अध्ययन केन्द्र में अगस्त 2012 से 'सर्टीफिकेट इन गाइडेन्स', कार्यक्रम, जिसे इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त वि0वि0 और एन0सी0ई0आर0टी0 के साझा सहयोग से तैयार किया गया है, का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सहभागियों को इस प्रकार विकसित करना है कि पठन–पाठन के दौरान सहभागी छात्र/छात्राओं के अलग–अलग विकास और उनकी क्षमताओं का आकलन किया जा सके। साथ ही विशेष आवश्यकता वाले छात्र/छात्राओं को चिन्हित कर उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं के अनुरूप उन्हें शिक्षित किया जा सके। इस कार्यक्रम का प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् प्रशिक्षित व्यक्ति प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं का मार्गदर्शन करने में समर्थ हो सकेगा। साथ ही प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं के बहुमुखी विकास हेतु अभिभावकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी समुचित सुझाव दे सकेगा। इस कार्यक्रम हेतु पाठ्यक्रम का निर्माण मुख्यतः शिक्षकों, अभिभावकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा उन व्यक्तियों को जो बच्चों को समझना और गाइड करना सिखाना चाहते हैं, को ध्यान में रखकर किया गया है।

अच्छा शिक्षक बनने के लिए जरूरी है एक अच्छा कम्युनिकेटर होना

प्रभावी कम्युनिकेशन की बारीकियाँ समझाते हुए कम्युनिकेशन गुरू डॉ. बी के. चन्द्रा

अच्छे शिक्षक के लिए एक अच्छा कम्युनिकेटर होना बहुत जरूरी है। भावी शिक्षकों में कम्युनिकेशन स्किल (संचार क्षमता) की जरूरत को पूरा करने के लिए इस सत्र से संचार विशेषज्ञता हेतु विशेष कक्षा की शुरूआत की गयी। जिसका प्रभावी शिक्षण संचार विशेषज्ञ डॉ. बी.के. चन्द्रा जी के निर्देशन में 28 अगस्त 2012 से चल रहा है। संचार को परिभाषित करते हुए डॉ. चन्द्रा ने छात्र/छात्राओं को बताया कि संचार वस्तुतः प्रेषक द्वारा प्राप्तकर्ता को सूचना भेजने की प्रक्रिया है। जिसमें जानकारी पहुंचाने के लिए ऐसे माध्यम का प्रयोग किया जाता है, जिससे सम्प्रेषित सूचना प्रेषक और प्राप्तकर्ता दोनो समझ सकें। संचार के लिए यह अति आवश्यक है कि संचार के सभी पक्ष एकसमान भाषा का बोध कर सकने में समर्थ हों। संचार के कुछ प्रमुख आयामों पर उन्होनें आगे बताया कि विषय वस्तु, स्रोत, प्रेषक या कूटलेखक, रूप, चैनल (माध्यम), गन्तव्य, रिसीवर, लक्ष्य या कूट वाचक एवं उद्देश्य आदि संचार में शामिल किये जाते हैं। इसके अलावा डॉ. चन्द्रा जी ने अच्छे संचारक के लिए आवश्यक गुणों पर प्रकाश डाला तथा प्रशिक्षणार्थियों ने डॉ0 चन्द्रा द्वारा बतायी गयी संचार की बारीकियों को बखूबी समझा तथा उनसे क्रमशः कक्षायें लेते रहने का अनुरोध किया।

विज्ञान शिक्षण को थ्योरी के स्थान पर प्रैक्टिकल करके सरलता से सीखें

सामान्यतः विज्ञान को कक्षाओं में पढाया जाता है, जिस कारण से उच्च कक्षाओं में पढने वाले प्रशिक्षणार्थियों जैसे कि एम0एस-सी0, बी0टेक0, एम0सी0ए0 आदि को भी विज्ञान का बुनियादी ज्ञान नहीं हो पाता। इसी कमी को दूर करने के लिए महाविद्यालय में विज्ञान की थ्योरी पढाने के साथ-साथ प्रयोगशाला में स्थित मॉडलों एवं टीचिंग एड आदि सरल उपकरणों का अधिकतम प्रयोग करते हुए लर्निंग बाई डूइंग के सिद्धान्त पर सरल प्रयोगों द्वारा विज्ञान के जटिल सिद्धान्तों को सरलतापूर्वक सत्यापित करके समझाया जाता है। विज्ञान शिक्षण की यह प्रणाली बी0एड0 प्रशिक्षक श्री विकास तिवारी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं को दी जा रही है। श्री विकास तिवारी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों से सामान्य वस्तुओं से मॉडलों एवं टीचिंग एड को भी बनवाया जाता है। बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों को नई पद्धति से सरल प्रयोगों द्वारा विज्ञान शिक्षण सीखने के लिए कानपुर में डॉ0 आर0एस0कपूर के नेतृत्व में संचालित अन्वेषिका विज्ञान प्रयोगशाला में भी भेजा गया। जहाँ प्रशिक्षणार्थियों ने वहाँ के प्रशिक्षकों की सहायता से टीचिंग एड का निर्माण किया तथा इन मॉडलों से विज्ञान को सरलता से पढाना भी सीखा।

महाविद्यालय में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है अर्थात् मन को स्वस्थ रखने के लिए तन का स्वस्थ होना अति आवश्यक है। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सबल बनाने हेतु दिनांक 24 एवं 25 अगस्त को द्विदिवसीय योग शिविर का

क्रान्ति और शान्ति के पुजारियों का स्मरण कर मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

बहुउद्देशीय कक्ष में प्रदर्शित फिल्म द्वारा मनोरंजन करते आमंत्रित छात्र/छात्राएँ

महाविद्यालय की परम्परागत राष्ट्रीय उत्सव परम्परा के अनुरूप दिनांक 15 अगस्त 2012 को 65वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रातः 8:30 बजे महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 आर0 के0 एस0 कुशवाहा ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के साथ ही उपस्थित छात्र/छात्राओं, शिक्षक/शिक्षिकाओं व कर्मचारियों ने करतल ध्वनि के साथ राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित की। ध्वजारोहण के ठीक बाद छात्र/छात्राओं ने लयबद्ध राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। इसके पश्चात् महाविद्यालय, प्रबन्धक, प्राचार्य, वरिष्ठ शिक्षक/शिक्षिकाओं ने स्वतंत्रता आन्दोलन में अपना सर्वस्व न्योछावर/बलिदान करने वाले झांसी की रानी, मंगल पाण्डे, महात्मा गाँधी, तात्या टोपे, नानाराव पेशवा, लाला लाजपत राय, भगतसिंह, चन्द्रशेखर आजाद, सुखदेव राज गुरू, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद, बटुकेश्वर आदि अनेक महापुरूषों का स्मरण कर क्रमशः उद्बोधन किया। साथ ही छात्र/छात्राओं से अपेक्षा की कि वे महापुरूषों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समुन्नत शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्र व समाज के कल्याण हेतु सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर

भ्रमण के दौरान पुस्तकालय भवन में आमंत्रित छात्र/छात्राएँ

ग्राम साँखाहरी स्थित विद्यालय 'सी0एल0 मेमोरियल एजुकेशन सेन्टर' के लगभग 200 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों ने भी सहभागिता की। महाविद्यालय आए सभी छात्र/छात्राओं को अकबर बीरबल की कहानियों पर आधारित शैक्षिक कार्टून फिल्म भी दिखाई गयी। अन्त में छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय का भ्रमण कराकर मिष्ठान वितरण के साथ समारोह का समापन किया गया।

संगठित मानव श्रृंखला द्वारा बेटी बचाओ अभियान में महाविद्यालय की सहभागिता

दिनांक 08 अगस्त 2012 को देश के प्रतिष्ठित दैनिक हिन्दी समाचार पत्र 'अमर उजाला' की ओर से मोतीझील परिसर, कानपुर नगर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों की संगठित मानव श्रृंखला द्वारा 'बेटी बचाओ अभियान'' 'जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। उपरोक्त आयोजन में श्री शक्ति डिग्री कॉलेज, साँखाहरी, घाटमपुर, कानपुर नगर में शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं ने बढ-चढकर सहभागिता प्रदर्शित की। उपरोक्त आयोजन में सहभागिता प्रदर्शित कर छात्र/छात्राओं ने 'मानव श्रृंखला' बनाकर समाज को यह संदेश देने का प्रयत्न किया कि बेटियाँ हमारे समाज की धुरी हैं। उनके अभाव में सामाजिक विकास/संतुलन की बात बेमानी है। वह हमारे समाज का अभिन्न अंग है। अतः हमारे समाज के समग्र उत्थान के लिए बेटियों की सुरक्षा एवं उनका संवर्द्धन अपरिहार्य हैं।

बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है वृक्षारोपण

महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण के दौरान प्रबन्धक एवं उपप्रबन्धक महोदय

वस्तुतः महाविद्यालय ग्रामीण परिवेश में स्थापित होने के कारण प्राकृतिक वातावरण से युक्त हैं। महाविद्यालय परिसर में लगे हुए विभिन्न प्रकार के अति उपयोगी व छायादार पेड़-पौधे उस वातावरण को और भी अधिक रमणीक बना देते हैं। महाविद्यालय और आस-पास का वातावरण सदैव प्रदूषण रहित बना रहे इस उद्देश्य से दिनांक 24 अगस्त 2012 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन0एस0एस0) की इकाई द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबन्धक श्री विनय त्रिवेदी ने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक युग में विज्ञान ने एक ओर जहाँ मनुष्य के जीवन को खुशहाल बनाया है वहीं आपाधापी भरे वातावरण में सम्पूर्ण पर्यावरण प्रदूषित हो गया है। आज का जीवन न जाने कितनी समस्याओं से ग्रसित है जिसके पीछे किसी न किसी रूप में पर्यावरण प्रदूषण ही है। अतः हम सभी का यह दायित्व है कि हम सभी मानवता के लिए अभिशाप इस पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने के लिए प्रतिवर्ष

वृक्षारोपण के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकगण

बेहतर पर्यावरण का संकल्प धारण कर वृक्षारोपण करते छात्र/छात्राएँ

कम से कम एक-एक वृक्ष अवश्य लगायें जिससे आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण प्रदूषण की विभीषिकाओं को न झेलना पड़े। इसके पश्चात् महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 आर0के0एस0 कुशवाहा जी ने कहा कि प्रकृति से मनुष्य का जन्म जन्मान्तर का सम्बन्ध है। मनुष्य का जीवन प्रकृति पर ही अवलम्बित है। अतः स्वस्थ मानव जीवन के लिए स्वस्थ प्राकृतिक पर्यावरण भी अत्यन्त जरूरी है। उन्होनें छात्र/छात्राओं को स्वस्थ्य प्राकृतिक पर्यावरण हेतु प्रेरणा देते हुए आगे कहा कि आज का मानव जीवन विभिन्न प्रकार के - जल, वायु, ध्वनि इत्यादि प्रदूषणों से युक्त है। हमें स्वस्थ व सुन्दर मानव जीवन की इच्छा रखते हुए सदैव प्रकृति से सम्पर्क बनाये रखकर पर्यावरण प्रदूषण दूर करने के लिए सदैव तत्पर रहना होगा। इसके अलावा इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक/शिक्षिकाओं, छात्र/छात्राओं आदि ने भी पर्यावरण पर अपने-अपने विचार रखे एवं वृक्षारोपण कर बेहतर पर्यावरण की शिक्षा द्वारा प्रकृति के प्रति समाज को जागरूक करने का संकल्प धारण किया।

आर्ट एण्ड क्राफ्ट विभाग द्वारा कार्यानुभव प्रशिक्षण

आर्ट एण्ड क्राफ्ट विभाग में पेंटिंग प्रशिक्षण के दौरान छात्र/छात्राएँ

महाविद्यालय परिसर में जनशिक्षण संस्थान, कानपुर के सहयोग से संचालित आर्ट एण्ड क्राफ्ट विभाग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना अवस्थी एवं श्री अनिल मेहरोत्रा जी द्वारा दिनांक 04, 05, 22 व 31 अगस्त 2012 को शिक्षण-प्रशिक्षणरत छात्र/छात्राओं को आर्ट एण्ड क्राफ्ट के अन्तर्गत क्रमशः फेब्रिक पेन्टिंग, ग्लास पेन्टिंग, क्ले मॉडलिंग, कैन्डल मेकिंग एवं पेपर वर्क में क्रेब पेपर से फ्लावर बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

SHRI SHAKTI DEGREE COLLEGE

A Study Centre of :

Indira Gandhi National Open University (IGNOU)

PROGRAMME OFFERED

- Bachelor's Degree Programme (B.D.P.)
- Bachelor's Preparatory Programme (B.P.P.)
- Post Graduate Diploma in Rural Development (P.G.D.R.D.)
- Certificate in Rural Development (C.R.D.)
- Certificate in Guidance (C.I.G.)

बुक पॉकेट (मुद्रित सामग्री शामिल)

श्री शक्ति डिग्री कॉलेज
साँखाहरी, हरबसपुर, घाटमपुर,
कानपुर नगर - 209 206

Phone : 05115 - 237319, 237381
Fax No. : 05115 - 237381
website : www.ssdkanpur.org
email : info.ssdc@gmail.com

समाचार संयोजन एवं लेखन
श्री अखिलेश कुमार मिश्रा

छात्र/छात्रा प्रतिनिधि
अनूप तिवारी • प्रियंका
एवं पूर्व छात्र मोहित (दैनिक आज)

परामर्शदाता
श्री विनय त्रिवेदी • श्री विवेक त्रिवेदी

सम्पादक
डॉ0 संदीप त्रिपाठी

सम्पादकीय सहयोग
श्री जय प्रकाश मिश्र • श्री आशुतोष शुक्ल

मुद्रक
आल-इन-वन कम्प्यूटर ग्राफिक्स
133/158 ई-ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर